Printed Pages – 7 Roll No. .....

G-3164

B.A. (Part-II) Examination, 2023

(New Course)

HINDI LITERATURE

Paper - II

(हिन्दी निबन्ध तथा अन्य गद्य विधाएँ)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 75

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए। **21**

Q. 1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(अ) इसमें दो बात है - एक तो नगर भर में राजा के न्याय के डर से कोई मुटाता ही नहीं, दूसरे और किसी को पकड़ें तो वह न जाने क्या बात बनावे कि हमीं लोगों के सिर ही न घहराय और फिर इस राज में साधु-महात्मा इन्हीं लोगों की तो दुर्दशा है, इससे तुम्हीं को फाँसी देंगे।

https://www.prsunotes.com

अथवा

हाय ! मैंने गुरुजी का कहना न माना, उसी का यह फल है ! गुरुजी ने कहा था कि ऐसे नगर में न रहना चाहिए, यह मैंने न सुना ! इस नगर का नाम ही अंधेर नगरी और रजा का नाम चौपट है, तब बचने की कौन आशा है। अरे ! इस नगर में ऐसा कोई धर्मात्मा नहीं है, जो इस फकीर को बचावे।

(ब) क्रोध शांति भंग करने वाला मनोविकार है। एक का क्रोध दूसरे में भी क्रोध का संचार करता है। जिसके प्रति क्रोध प्रदर्शन होता है वह तत्काल अपमान का अनुभव करता है और इस दुःख पर उसकी भी त्योरी चढ़ जाती है। यह विचार करने वाले बहुत थोड़े निकलते हैं कि हम पर जो क्रोध प्रकट किया जा रहा है वह उचित है या अनुचित। इसी से धर्म, नीति और शिष्टाचार तीनों में क्रोध के निरोध का उपदेश पाया जाता है।

https://www.prsunotes.com

अथवा

मेरे लिए अमराई स्मृति नहीं है, साक्षात्कार है जीवन की वास्तविक सार्थकता था। यंत्र-चलित संसार में चल फिर रहा हूँ, भूख और नींद तक सूरज के ऊपर आने या ढलने से नियंत्रित न होकर घड़ी से नियंत्रित हो गई हैं। पर तो भी स्वयं यंत्रबद्ध नहीं हो पाया, इसका कारण एकमात्र मन पर छाया हुआ अमराई का साक्षात्कार है।

(स) शादी एक गहरी समस्या है, आप उसके साथ खिलवाड़ नहीं कर सकते। मैं पूछता हूँ, आप फैक्ट्री में तो हर तरह का विज्ञान, कानून, विशिष्ट ज्ञान लगाते हैं फिर क्या कारण है कि जीवन को ऐसे परमात्मा के भरोसे छोड़ दिया जए कि उसमें आदमी की सस्ती-से-सस्ती और निकम्मी से निकम्मी शक्तियाँ ही सिर्फ काम में लायी जाएँ।

https://www.prsunotes.com

अथवा

जानकी का युग इस देश से कभी नहीं मिटेगा। मैं जानकी हूँ। इस देश की कोई भी स्त्री जानकी है। जब तक हमारे भीतर जानकी का त्याग है, जानकी की क्षमा है, तब तक वही है। तुम्हारे लिए जानकी पौराणिक है इसलिए असत्य है। मेरे लिए वह भावगम्य है। उनके भीतर मेरी सारी समस्याएँ सारे समाधान हैं।

Q. 2. "अंधेर नगरी सम-सामयिक सन्दर्भ का जीवन्त प्रहसन है।" समीक्षा कीजिए। **12**

अथवा

'बसंत' निबन्ध के प्रतिपाद्य को समझाइये।

Q. 3. एकांकी के तत्त्वों के आधार पर 'औरंगजेब की आखिरी रात' एकांकी की समीक्षा कीजिए। **12**

अथवा

'मम्मी ठकुराईन' एकांकी के मूल प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

https://www.prsunotes.com

Q. 4. किन्हीं पाँच पर टिप्पणी लिखिए : 15

(i) राहुल सांकृत्यायन का यात्रा वृत्तान्त

(ii) महादेवी वर्मा की भाषा-शैली

(iii) हबीब तनवीर का रंगकर्म

(iv) 'बेईमानी की परत' में निहित व्यंग्य

(v) हिन्दी एकांकी का विकास

(vi) शीला का चरित्र-चित्रण

(vii) बाबू गुलाबराय के निबन्ध

Q. 5. निम्नलिखित में से किन्हीं 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 15

(i) 'अंधेर नगरी' किस प्रकार की रचना है ?

(ii) गोवर्धनदास किस कृति का पात्र है ?

(iii) 'अंधेर नगरी' की रचना कब की गई थी ?

(iv) 'अशोक के फूल' और 'कुटज' जैसे प्रसिद्ध निबंधों के लेखक का नाम लिखिए।

https://www.prsunotes.com

(v) 'चिंतामणि' निबंध संग्रह के रचनाकार का नाम लिखिए।

(vi) 'दस हजार' एकांकी के एकांकीकार का नाम लिखिए।

(vii) 'जीनत' किस एकांकी की पात्र है ?

(viii) 'स्ट्राइक' एकांकी के एकांकीकार कौन हैं ?

(ix) 'एक दिन' एकांकी की नायिका का नाम लिखिए।

(x) 'सुंदरलाल' किस एकांकी का पात्र है ?

(xi) 'उस अमराई ने राम-राम कही है' के निबंधकार कौन हैं ?

(xii) 'मेरी यूरोप यात्रा' किसने लिखा है ?

(xiii) बाबू गुलाबराय रचित पाठ्यक्रम में संकलित निबंध का नाम लिखिए।

(xiv) महादेवी वर्मा के एक काव्य संकलन का नाम लिखिए।

(xv) 'बहादुर कलारिन' किसका नाटक है ?

https://www.prsunotes.com

(xvi) डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल रचित पाठ्यक्रम में संकलित एकांकी का नाम लिखिए।

(xvii) हरिशंकर पारसाई रचित पाठ्यक्रम में संकलित निबंध का नाम लिखिए।

(xviii) 'आगरा बाजार' किस नाट्य लेखक की रचना है ?

(xix) नाट्यशास्त्र की रचना किसने की है ?

(xx) 'राजनाथ' किस एकांकी का पात्र है ?

https://www.prsunotes.com